CCDU
HARYANA

# खुले में शौच से मुक्ति
# हेतु
# तकनीकी विकल्प

# खुले में शौच से मुक्ति है क्यों

CCDU
HARYANA

शौच का सुरक्षित निपटान करना ताकि
शौच पुनः हमारे शरीर में प्रवेष न करे।

क्यों कहते है कि शौचालय शर्म और घृणा का प्रतीक है

CCDU HARYANA

**प्लेटफार्म** – जो घृणा को दफन करता है।

**घृणा**

**शर्म**

# स्वच्छता सीढ़ी

**CCDU HARYANA**

Technology Options

ाुले में मल त्याग ए

बिल्ली विधि ए

नाली विधि ए

स्थानीय तकनीक से निर्मित उपरी ढॉचे के साथ एक गड्ढे वाला लीच पिट षौचालय ए

आफ

सेट षौचालय ए

**फलैष वाला षौचालय ए**

सेप्टिक टेंक शौचालय एवं लीच पिट शौचालय का तुलनात्मक मूल्यांकन

CCDU HARYANA

| मानक | षौचालय का प्रकार | |
|---|---|---|
| | सेप्टिक टैंक | लीच पिट |
| उपयोग की आयु | 10–20 वर्श | असीमित समय तक |
| लागत | बहुत ज्यादा | कम |
| निर्माण में लगने वाला समय | 7–10 दिन | 1 दिन |
| मल का निस्तारण | असुरक्षित | सुरक्षित |
| मल का आर्थिक रूप से उपयोग | नही | हॉ |
| जगह की आवष्यकता | ज्यादा | बहुत कम |
| तकनीकी विकास | सम्भव नही | सम्भव |

# शौचालय के दो प्रकार है

CCDU
HARYANA

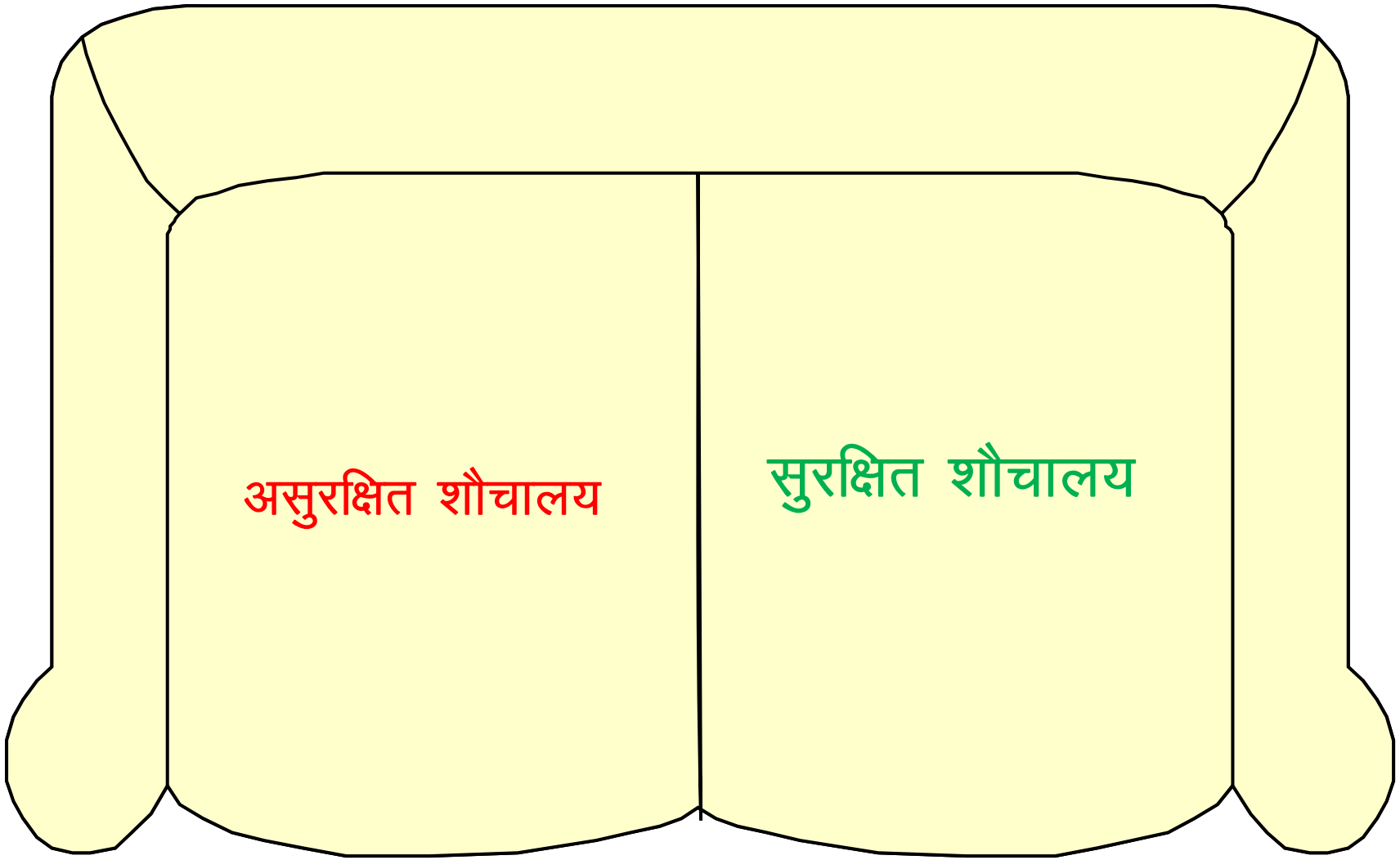

# शौचालय के प्रकार

CCDU
HARYANA

## असुरक्षित शौचालय

डम्पिंग ट्यलेट

फ्लाइंग ट्यलेट

फ्लोटिंग ट्यलेट

# शौचालय के प्रकार

CCDU
HARYANA

## असुरक्षित शौचालय

हैंगिंग ट्यलेट

# असुरक्षित शौचालय

CCDU
HARYANA

हैंगिंग ट्यलेट

Pig toilet

# शौचालय के प्रकार

CCDU HARYANA

## सुरक्षित शौचालय

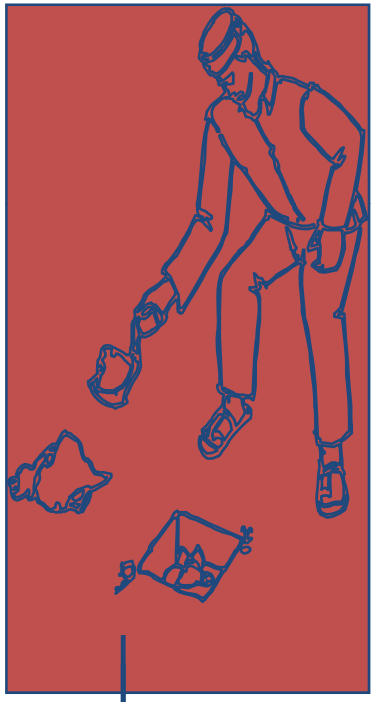

बिल्ली विधि

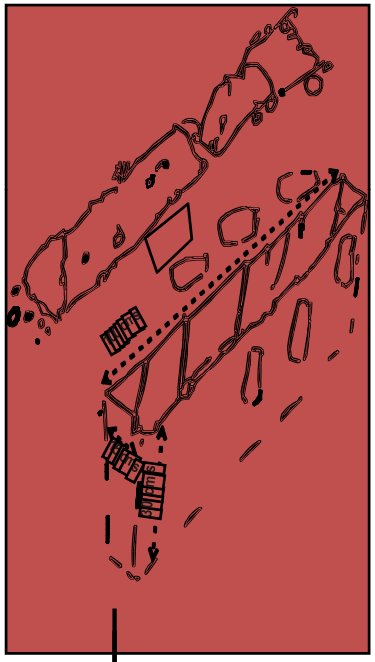

ट्रेन्च पिट (नाली विधि)

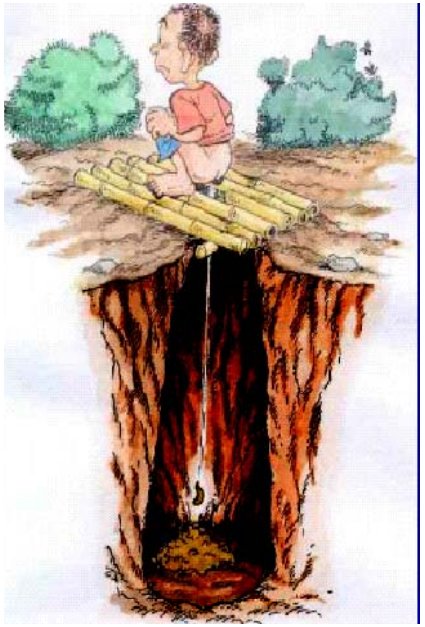

एक गड्ढे वाला ऑन पिट शौचालय

# शौचालय के प्रकार

CCDU HARYANA

## सुरक्षित शौचालय

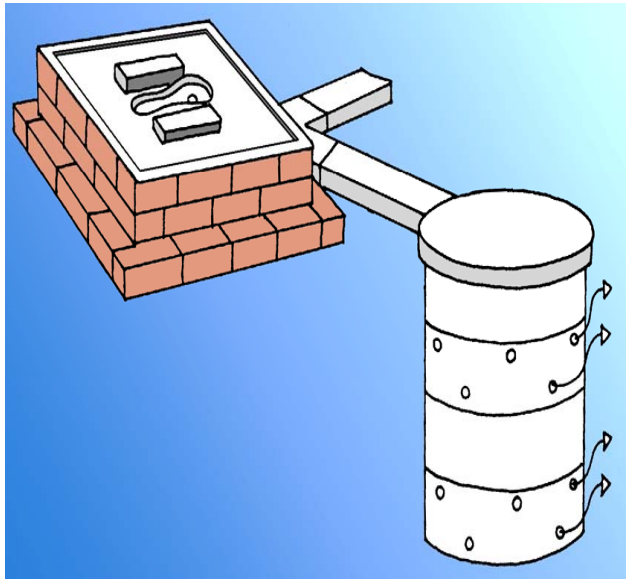

एक गड्ढे वाला दूरस्थ जलबन्द लीच पिट शौचालय

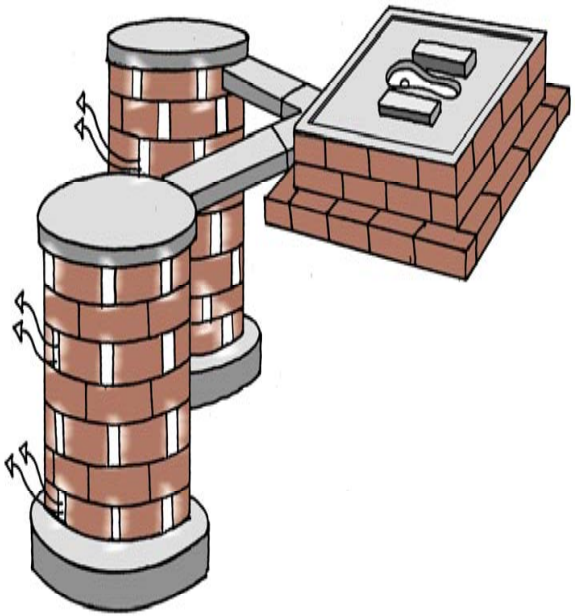

दो गड्ढे वाला दूरस्थ जलबन्द लीच पिट शौचालय

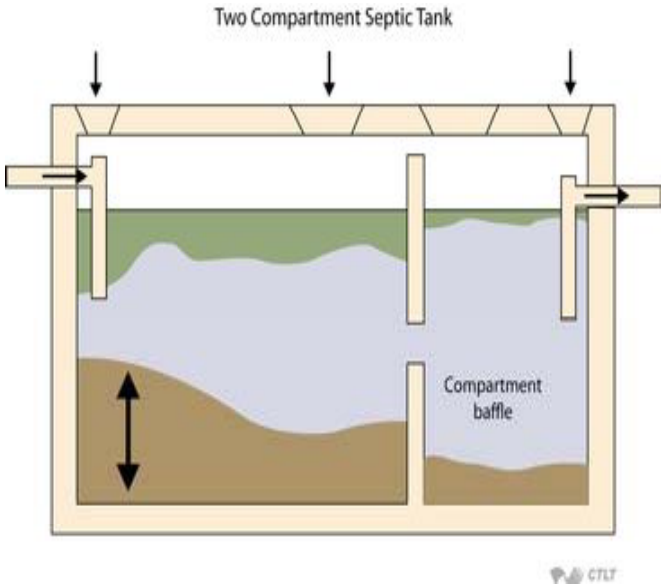


सेप्टिक टैंक

# शौचालय के हिस्से

CCDU
HARYANA

1 पिट

2 प्लेटफार्म

3 ऊपरी ढॉचा

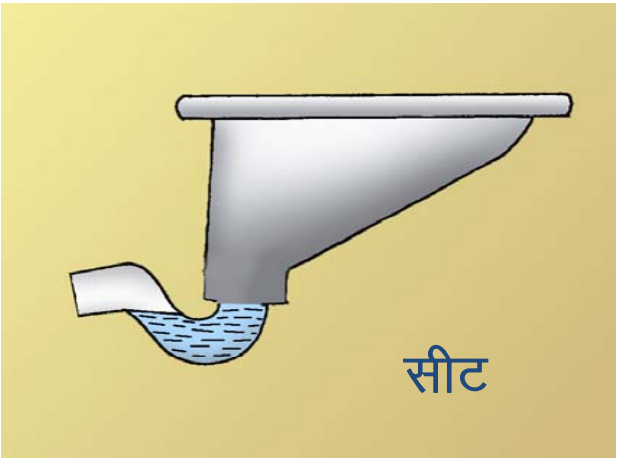

# शौचालय की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारक

CCDU HARYANA

# मल के सुरक्षित निपटान हेतु तकनीकी विकल्प

CCDU HARYANA

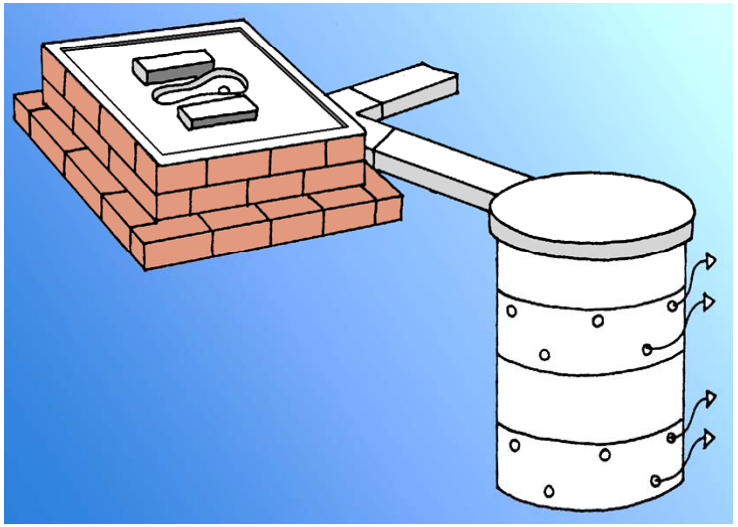

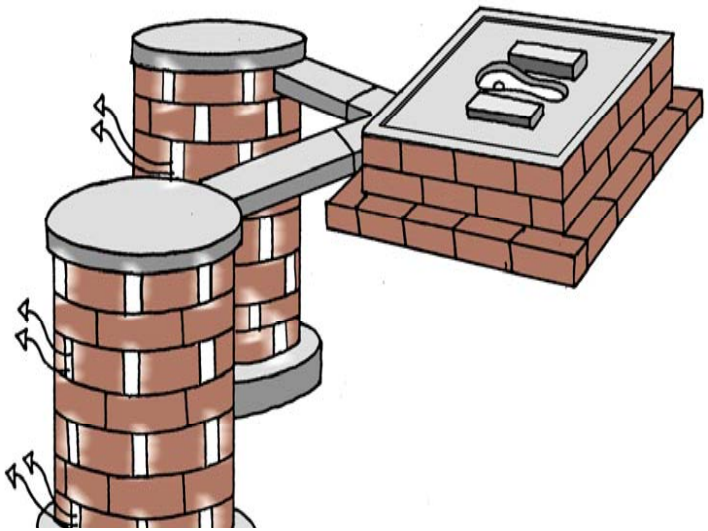

| लाभ<br>(एक गड्ढे वाला दूरस्थ जलबन्द लीच पिट शौचालय) | लाभ<br>(दो गड्ढे वाला दूरस्थ जलबन्द लीच पिट शौचालय) |
|---|---|
| 5-7 वर्ष चलता है यदि 5-7 व्यक्ति प्रतिदिन प्रयोग करें तो | एक बार पिट बन जाने के बाद वह स्थाई होता है |
| | पिट का आकार छोटा होने के कारण खाली करना आसान होता है |
| | पिट से निकली खाद का प्रयोग मिटटी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये किया जा सकता है बिना किसी ट्रीटमेन्ट के |

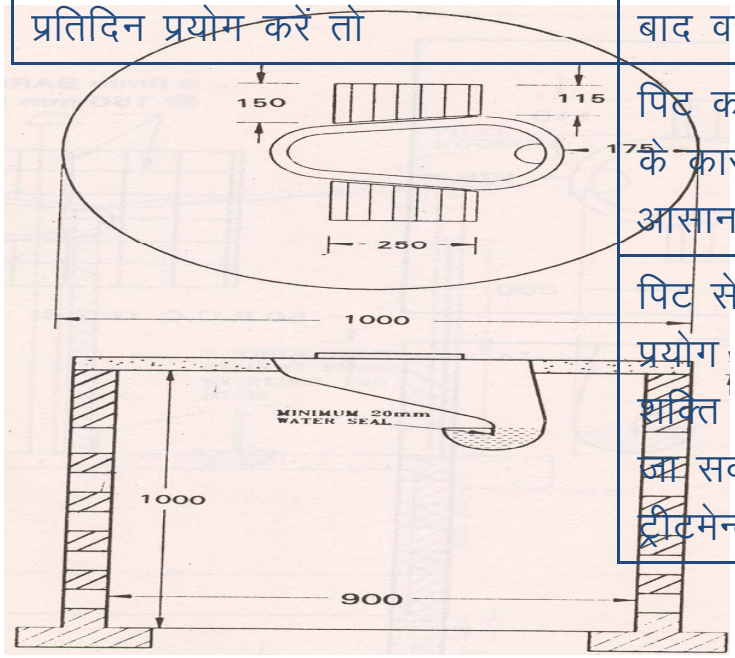

# अनुमानित लागत

CCDU HARYANA

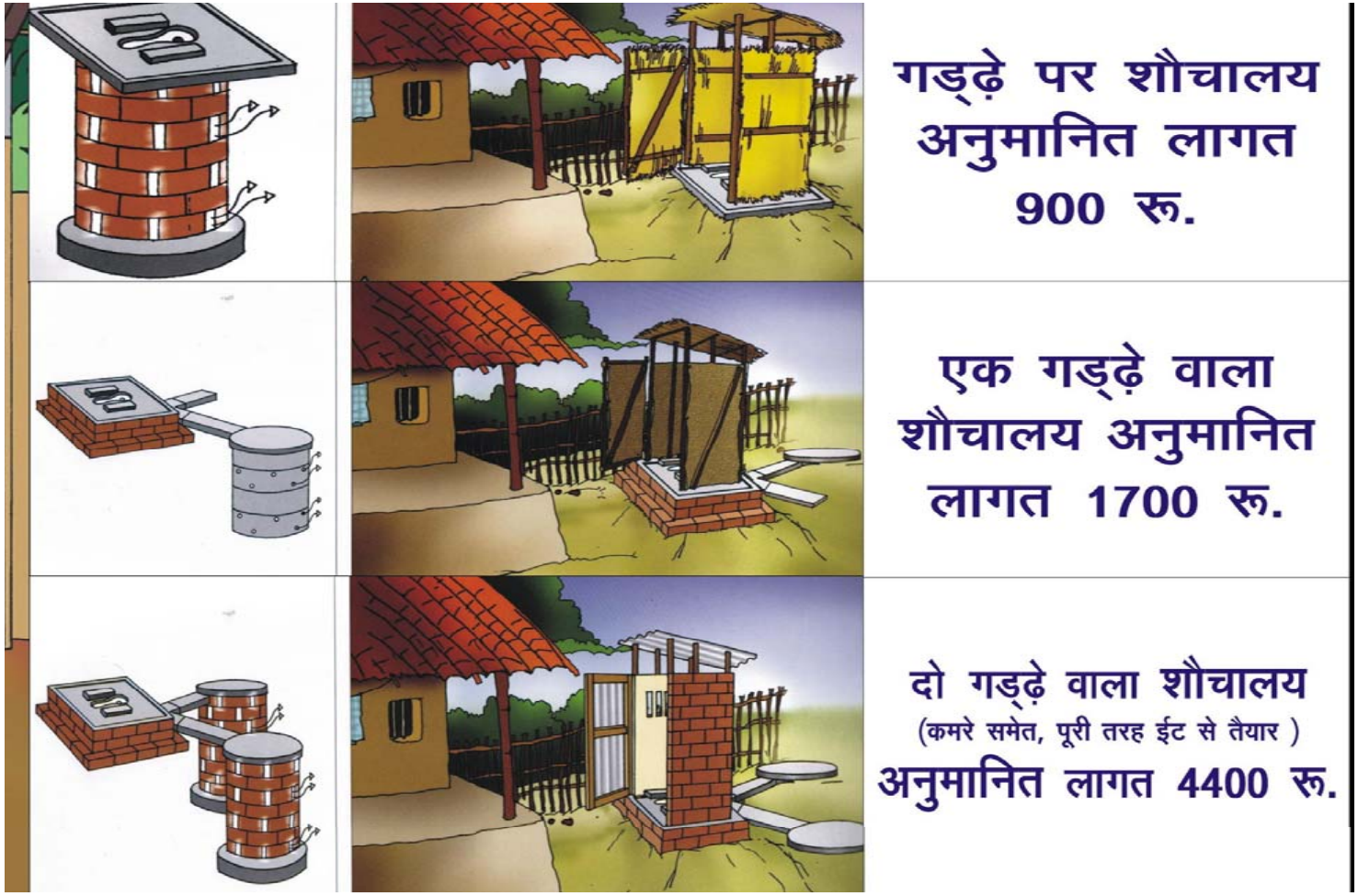

गड्ढ़े पर शौचालय अनुमानित लागत 900 रू.

एक गड्ढ़े वाला शौचालय अनुमानित लागत 1700 रू.

दो गड्ढ़े वाला शौचालय
(कमरे समेत, पूरी तरह ईट से तैयार )
अनुमानित लागत 4400 रू.

# जलभराव क्षेत्र हेतु तकनीकी विकल्प

CCDU HARYANA

| लाभ | सीमायें |
|---|---|
| एक गडढे वाले आन पिट के समान | साधारण पिट शौचालय से महगीं |
| मुख्यतः पथरीले व उच्च जल स्तर वाले इलाकों के लिये उपयुक्त | एक बार पिट के भर जाने पर पिट के पुनः प्रयोग हेतु अधपकी खाद निकालनी पड़ती है |
| खाएसे इलाकों के लिये उपयुक्त जहा मानव मल खेती में खाद के रुप में प्रयोग होता है व $0^{0C}$ से नीचे तापमान वाले इलाकों हेतु उपयोगी (prevents flushing water,trans-Himalayan region) | खाद बनने में ज्यादा समय लगता है |

# षौचालय के गढ्ढे का पेयजल सोत्रो से दूरी

CCDU
HARYANA

**षौचालय का गढ्ढा हमेषा किसी भी पेयजल स्रोत से 10 से 15 मीटर की दूरी पर बनाना चाहिए**

10 ls 15 मीटर

10 ls 15 मीटर

# पहाड़ी क्षेत्र हेतु तकनीकी विकल्प

CCDU HARYANA

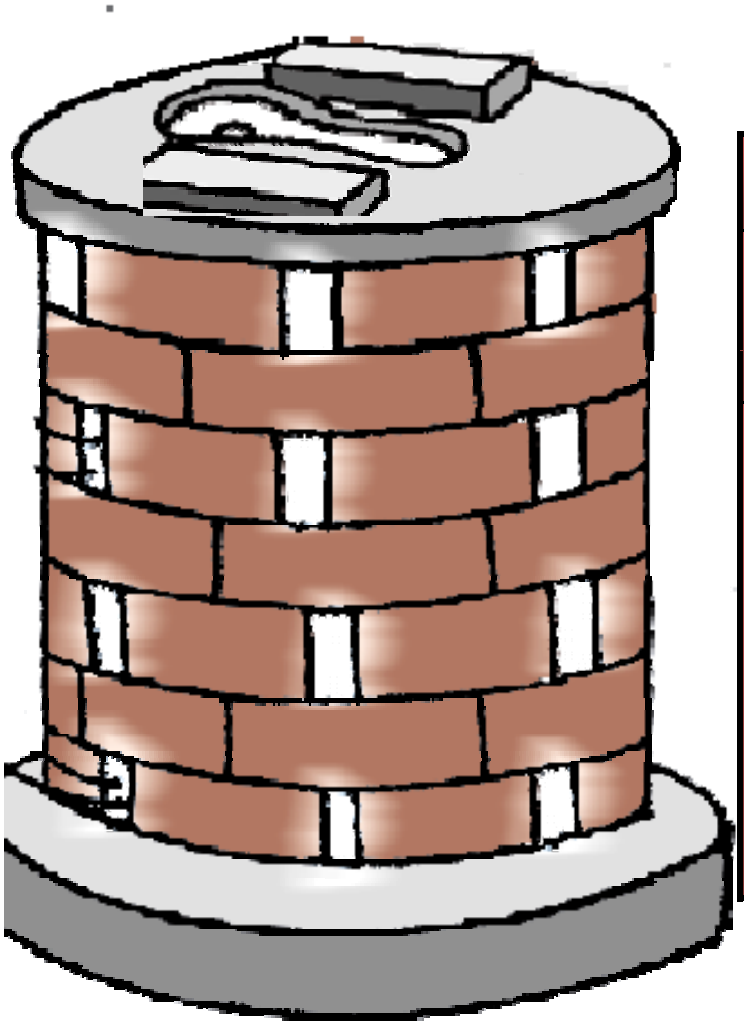

| लाभ | सीमायें |
|---|---|
| एक पिट VIP latrine के समान | एक पिट VIP latrine से महगीं |
| पहाड़ी क्षेत्र में प्रभावी अथवा उच्च जल स्तर वाले क्षेत्रो के लिये उपयुक्त | एक बार पिट के भर जाने पर पिट के पुनः प्रयोग हेतु अधपकी खाद निकालनी पड़ती है |

पानी की समस्या वाले क्षेत्रों के लिये भी उपयोगी

CCDU
HARYANA

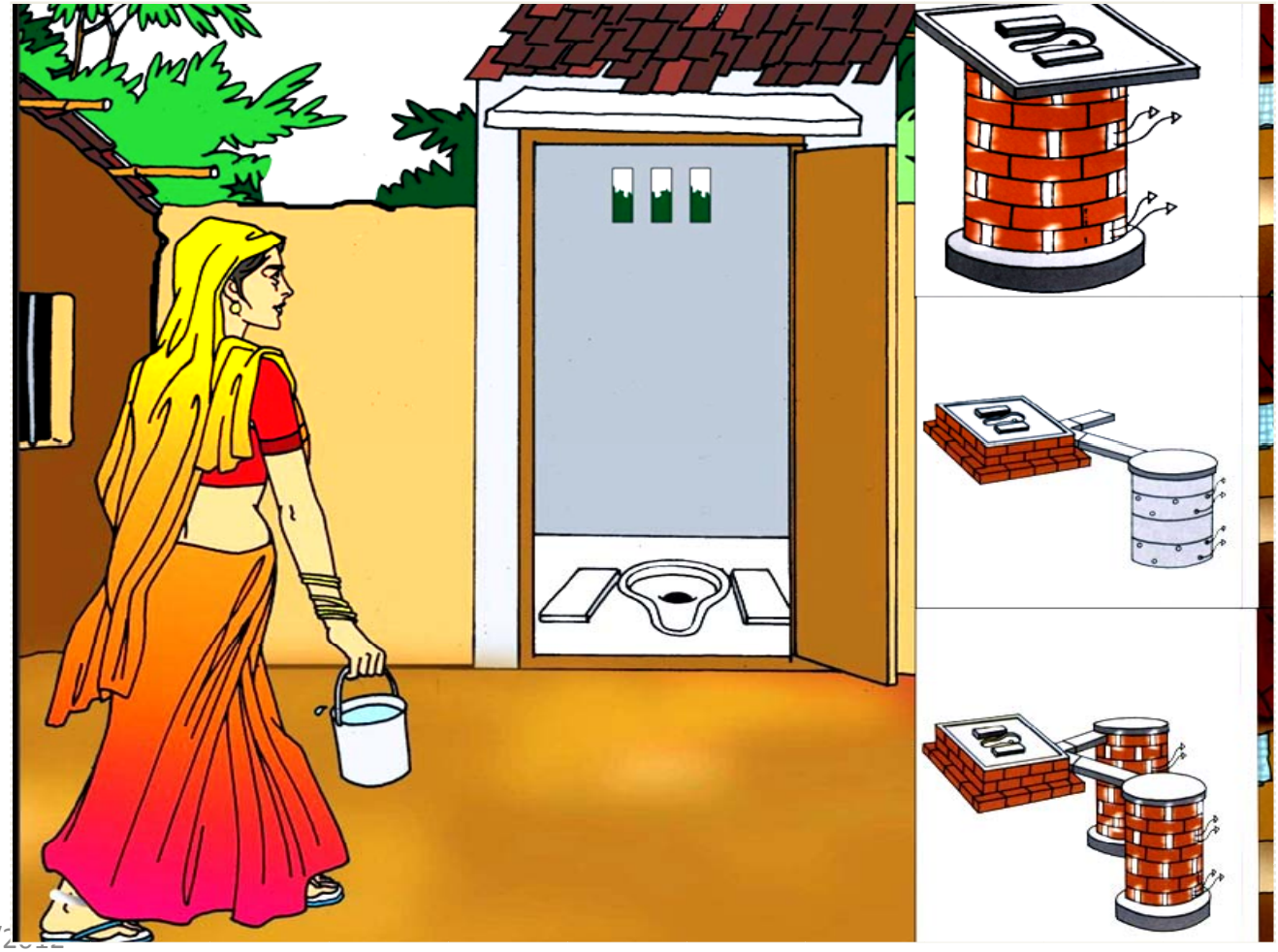

# गढ्ढे के प्रकार

CCDU
HARYANA

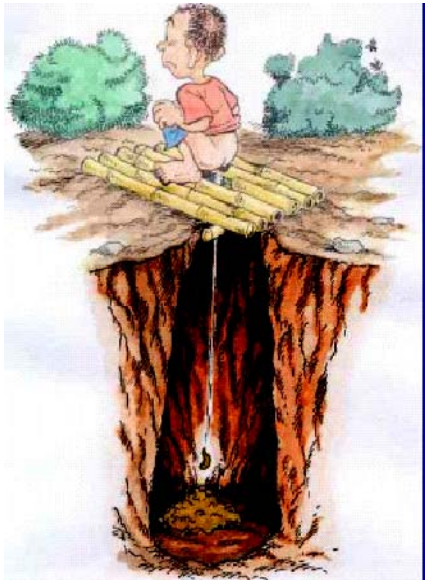

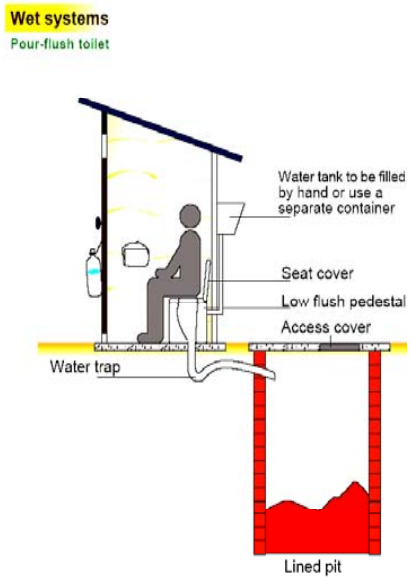

# ऊपरी ढांचा

CCDU
HARYANA

# षुष्क षौचालयः क्या करें – क्या न करें

CCDU HARYANA

- षौचालय का प्रयोग करते समय सदैव चप्पल या जूते पहनें।
- अपने पांव षौचालय के छेद के हिसाब से ही रखें।
- षौचालय का प्रयोग करने के बाद मल के ऊपर सदैव राख, डाल दें।
- षुष्क षौचालय मे कभी भी फिनायल, तेज़ाब अथवा साबुन का प्रयोग न करें।
- षुष्क षौचालय के छेद का ढक्कन सदैव कस कर बंद करें।
- षौचालय का दरवाज़ा सदैव बंद रखें।

CCDU HARYANA

# जलबंध षौचालय : क्या करें – क्या न करें

- षौचालय का प्रयोग करते समय सदैव चप्पल या जूते पहनें।
- षौचालय का प्रयोग करने से पहले सीट पर थोड़ा पानी डालें।
- अपने पांव षौचालय के पावदान पर ही रखें।
- षौचालय/सीट साफ करने के लिए कभी भी फिनायल, तेज़ाब अथवा साबुन का प्रयोग न करें।
- षौचालय का दरवाज़ा सदैव बंद रखें।